भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 800

26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाना

800. श्री अमरा राम:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए क्या कार्रवाई की गई/किए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) जनसंख्या के अनुपात में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने और अलग से सेवाएं प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): देश की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में तीन स्तरीय प्रणाली शामिल है जिसमें उप स्वास्थ्य केंद्र (ग्रामीण), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (शहरी और ग्रामीण) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (शहरी और ग्रामीण) भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के तीन स्तंभ हैं।

स्थापित मानदंडों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 5,000 (मैदानी) और 3000 (पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्रों में) की आबादी के लिए एक उप स्वास्थ्य केंद्र, 30,000 (मैदानी इलाकों में) और 20,000 (पहाड़ी और आदिवासी

क्षेत्रों में) की आबादी के लिए एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 1,20,000 (मैदानी) और 80,000 (पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्र में) की आबादी के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा, शहरी क्षेत्र के लिए 15,000 से 20,000 की शहरी आबादी के लिए एक शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 30,000 से 50,000 की शहरी आबादी के लिए एक शहरी-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यू-पीएचसी), गैर-मेट्रो शहरों (5 लाख से ऊपर की आबादी) में प्रत्येक 2.5 लाख की आबादी के लिए एक शहरी-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (यू-सीएचसी) और मेट्रो शहरों में प्रत्येक 5 लाख की आबादी के लिए एक यू-सीएचसी की सिफारिश की गई है। इसके अलावा, जिला अस्पताल (डीएच), उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) और प्रथम रेफरल इकाई ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लिए मध्यम परिचर्या सेवाएं प्रदान करते हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से, उप स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को मजबूत करके व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जाती है। ये आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवाओं, संचारी रोगों, गैर-संचारी रोगों और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों को शामिल करने वाली सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला सहित निवारक, प्रोत्साहन, पुनर्वास और उपचारात्मक देखभाल प्रदान करते हैं। एएएम पोर्टल पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, 30 जून, 2024 तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 1,73,410 आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्यशील हो चुके हैं।

इसके अलावा, आईपीएचएस मानदंडों को प्राप्त करने के लिए 15वें वित्त आयोग स्वास्थ्य/एनएचएम अनुदान का उपयोग करके उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में नैदानिक सेवाओं को मजबूत किया जाता है ताकि इच्छित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकें।

*****